भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
19.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2996 का उत्तर

पूर्व रेलवे के अंतर्गत तीन भूमिगत पारपथों का चौड़ीकरण

2996. श्रीमती रचना बनर्जी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को स्थानीय निवासियों, नागरिक निकायों और जन प्रतिनिधियों से कई वर्षों से हावड़ा-बंदेल मुख्य लाइन के अंतर्गत तीन भूमिगत पारपथों और पूर्व रेलवे के भद्रेश्वर और मानखुर्द रेल स्टेशनों पर माल मुख्य लाइन के भूमिगत पारपथ को चौड़ा करने के लिए कई पत्र प्राप्त हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस कार्य के लिए बहुत पहले कोई व्यवहार्यता अध्ययन किया गया था;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या व्यवहार्यता अध्ययन किए जाने के बाद से स्थिति में परिवर्तन आया है;

(च) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस क्षेत्र की जनसंख्या में कई गुना वृद्धि को देखते हुए इन कार्यों का व्यवहार्यता अध्ययन शुरू किया है और उन पर विचार किया है; और

(छ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): समपारों के बदले ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल के कार्यों को मंजूरी देना भारतीय रेल की सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा पर इसके प्रभाव, रेलगाड़ियों की गतिशीलता और सड़क उपयोगकर्ताओं पर पड़ने वाले प्रभाव और व्यवहार्यता आदि के आधार पर प्राथमिकता दी जाती है और शुरू किया जाता है।

2004-14 की तुलना में 2014-24 के दौरान भारतीय रेल पर निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुल
2004-14	4,148 अदद
2014-24	11,945 अदद (लगभग तीन गुना)

01.02.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल पर 97,422 करोड़ रु. की लागत वाले 4344 अदद ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल स्वीकृत हैं, जिनमें पश्चिम बंगाल राज्य में 5778 करोड़ रु. की लागत पर 236 ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल कार्य शामिल हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। 236 अदद कार्यों में से 89 अदद कार्य भूमि अधिग्रहण, लागत साझाकरण और समपार बंद करने की सहमति आदि के कारण विलंबित हुए हैं।

2014-24 के दौरान पश्चिम बंगाल राज्य में कुल 443 अदद ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल निर्मित किए गए थे।

2024-25 (जनवरी 2025 तक) के दौरान, भारतीय रेल पर 827 ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल का निर्माण किया गया है, जिसमें पश्चिम बंगाल राज्य में 28 अदद ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल शामिल हैं।

रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालयों इत्यादि सहित विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकारों, संसद सदस्यों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, रेलवे की अपनी आवश्यकताओं, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि से ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुलों के लिए औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरह के प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। चूंकि ऐसे प्रस्ताव/शिकायतें/सुझाव प्राप्त होना सतत् और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए ऐसे अनुरोधों का केंद्रीकृत सार-संग्रह नहीं रखा जाता है। बहरहाल, इनकी जाँच की जाती है और समय-समय पर व्यवहार्य और उचित कार्रवाई की जाती है।

तदनुसार, हावड़ा-बैण्डेल खंड पर 03 अदद सबवे को चौड़ा करने की व्यवहार्यता की जांच की गई है और रेलपथ के दोनों ओर घनी आबादी वाले क्षेत्र होने के कारण तकनीकी रूप से इसे व्यवहारिक नहीं पाया गया है। इसी प्रकार, भद्रेश्वर, भद्रेश्वर रेलवे स्टेशन और मानकुन्डु रेलवे स्टेशन की गुड्स मेनलाइन पर 03 अतिरिक्त सबवे का निर्माण भी तकनीकी रूप से संभव नहीं पाया गया है।

******